कृषको को स्वावलम्बी एवं आत्म निर्भर बनाने हेतु

किसान उत्पादक संगठन (एफ०पी०ओ०)

एवं

स्वयं सहायता समूह माड्यूल

अपना विकास अपने हाथ अर्थात् स्वावलम्बी विकास

2020

चन्द्रशेखर आजद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर

किसान उत्पादक संगठन

मॉड्यूल के अनुसार गठन हेतु

पी०आर०ए० मॉड्यूल

कार्य क्षेत्र (क्लस्टर) सहभागी गाँव पहचान एवं कार्य क्रियान्वयन कौशल विधा

किसान उत्पादक संगठन का माड्यूल (FPO Module)

(कृषि निवेश, तकनीकी प्रबन्धन एवं सुनिश्चित बिक्री हेतु संगठन)

प्रथम प्रयास

- क्षेत्र का चयन (कलस्टर तय करना)
- चर्चा बैठक (प्रेरक एवं फोकस सदस्य)
- कृषक रूचि समूह बैठक (एफ0आई0जी0 गठन)
- संगठन क्यों समस्या निर्धारण पर चर्चा
- समस्या कारण एवं निवारण चर्चा
- सामूहिक विचार विनिमय (एफ0आई0जी0)

द्वितीय प्रयास

- आवश्यकता निर्धारण एवं प्राथमिकता तय करना
- आवश्यकता पूरक संभावनाये (जो एफ0पी0ओ0 द्वारा पूरी की जानी हो)
- सामूहिक प्रबन्धन रूपरेखा तय करना

तृतीय प्रयास

- कलस्टर गांव की बैठकें
- एफ0आई0जी0 प्रतिनिधि बैठक
- एफ0पी0ओ0 क्यों, समस्या, कारण एवं संभावनाओं पर चर्चा
- कृषक उत्पादक संगठन का गठन
- एफ0पी0ओ0 कार्यकारिणी तय करना
- संचालन नीति निर्धारण हेतु सुझाव
- संगठन विकास की कार्य रणनीति
- चयनित प्रतिनिधि बैठक

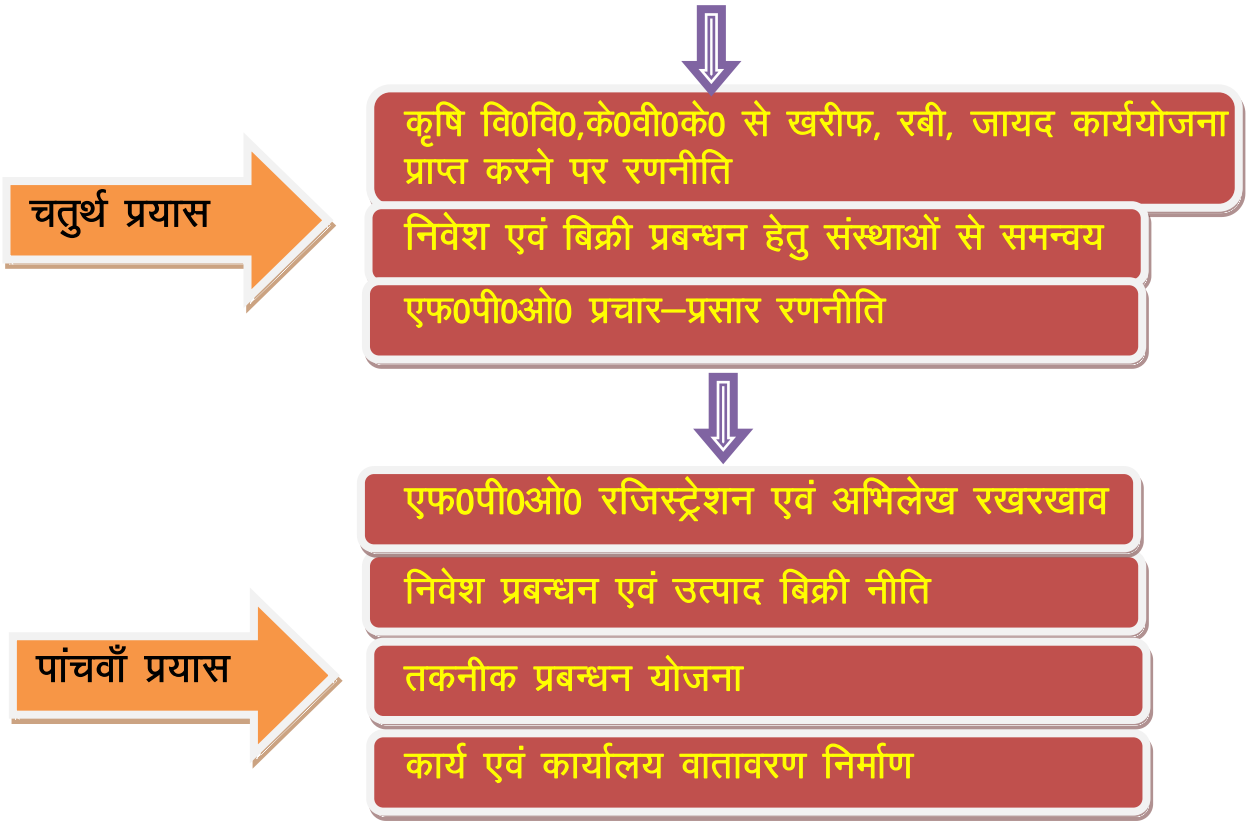

उपरोक्त क्रम में गठित **"किसान उत्पादक संगठन"** कृषि को स्वावलम्बी, आत्मनिर्भर, कम लागत, अधिक आय की खेती बनाने एवं स्वरोजगार सृजन के रूप में संगठन तैयार होगा। संगठन तैयार होने के उपरान्त हमें एफ0पी0ओ0 कार्यक्षेत्र कृषि की यथा स्थिति व कृषि परिचय जानना होगा साथ ही खरीफ, रबी व जायद का फसल उत्पादन हेतु क्या कर रहे हैं एवं क्या करना चाहिए पर तुलनात्मक जानकारी कृषक उत्पादक संगठन को रहे। विश्वविद्यालय का प्रयास होगा कि आप तक निरन्तर तकनीकी मार्गदर्शन पहुंचता रहे। इस माड्यूल में आवश्यक तकनीकी प्रबन्धन एवं एफ0पी0ओ0 संचालन हेतु जानकारी दी जा रही है।

चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर के मा0 कुलपति **डा0 डी0आर0 सिंह** जी की प्रेरणा एवं निर्देशन में उद्देश्य परक गठित हों व गठित एफ.पी.ओ. प्रभावी बनाने हेतु **मॉडयूल (FPO Module)** जो तैयार किया गया है आप सब इस माड्यूल के अनुसार जानकारी प्राप्त कर किसान उत्पादक संगठन (एफ.पी.ओ.) गठित करें। कृषक उत्पादक संगठन गठित करने का जिनका दायित्व है या संस्थायें नामित है इस माड्यूल के आधार पर कृषक उत्पादक संगठन (एफ.पी.ओ.) गठित कर कृषि को **आत्मनिर्भर एवं स्वावलम्बी** बनाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

कृषक उत्पादक संगठन के प्रभावी संचालन हेतु मार्गदर्शिका तैयार की गई है। पाँचों प्रयासों के बिन्दुओं के अनुसार क्रियान्वयन भी कैसे करेंगे आपको जानकारी प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ एवं पांचवा प्रयास में जो बिन्दु दिये गये हैं जिनके अभ्यास से एक सक्रिय, क्रियाषील एवं उद्देश्य परक संगठन तैयार हो आप जाने और उसी के अनुसार क्रियान्वयन अने क्लस्टर परिस्थितयों एवं अपने अनुभव के साथ करें।

किसान उत्पादक संगठन के कृषक रूचि समूह (एफ0आई0जी0) चयन व गाँव की प्राथमिक सूचनायें लेने की सहभागी ग्रामीण मूल्यांकन (पी0आर0ए0) विधा

पाँच दिवसीय मॉड्यूल

(Five Days PRA Module)

इस विधा से हम किसान उत्पादक संगठन हेतु गाँव की कृषि परिस्थती व संसाधनों तथा गांव की जानकारी हेतु गाँवों में संचालित होने कार्यक्रमों की वास्तविक सहभागी रणनीति तय करने हेतु प्रयोग कर सकते है जैसे –

1. कृषि शोध, प्रसार योजना एवं परियोजनाओं के संचालन हेतु चयनित गाँवों को कृषि प्रणाली की वर्तमान स्थिति, तकनीकी अन्तर, एवं संभावनाओं तथा शोध प्रयोगो की आवश्यकतायें तय करने एवं कृषकों की सहभागिता आधारित परियोजनाओ में –
2. विश्वविद्यालय व कृषि महाविद्यालय के कृषि स्नातक छात्रों को कृषि जानकारी के प्रभावी कौशल हेतु विशेष रावे (RAWE) कार्यक्रम में प्रभावी सहभागिता हेतु।
3. परियोजना में महिलाओं की संभावनाओं को निकालना व सम्बन्धित स्टाफ को प्रशिक्षित करने में।
4. कृषि विज्ञान केन्द्रो द्वारा कृषि विकास हेतु चलाये जाने वाले कार्यक्रमों व कृषि योजना तैयार करने। कृषि प्रणाली की संभावना एवं तकनीकी अन्तर तय करने में इस विधा का प्रभावी उपयोग कर सकते है।
5. कृषि विश्वविद्यालय द्वारा कृषि विकास हेतु चलाये जाने वाले कार्यक्रमों की आवश्यकता कारण एवं संभावनाओं का गाँव में स्तर क्या है, सम्बन्धित वैज्ञानिक टीम को प्रयोग हेतु।
6. भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद उपकार व प्रदेश सरकारों द्वारा कृषि विकास हेतु माँगी गयी परियोजनाओं को तैयार करने एवं क्रियान्वयन में प्रभावी एवं वास्तविक प्रयोग हेतु।
7. सरकारी विभाग व स्वयं सेवी संस्थाओं के सहयोग से समस्त चलायी जा रही परियोजना एवं कार्यक्रमों, गाँव की सूचनाओं एकत्र करने में बल मिलेगा।
8. सहभागिता विषयक संचालित समस्त कार्यक्रमों में गाँव में सूचनायें जो एकत्र करने व जमीनी क्रियान्वयन हेतु SWOT तय करने में उपयोगी विधा है।
9. किसान उत्पादक संगठन के कार्यकर्ताओं के कार्य कौशल बढ़ाने एवं कार्य भार कम करने हेतु ये विधा बहुत ही उपयोगी है।
10. सहभागी सूचना को एकत्रित कर बार–बार सूचना व आंकड़ा एकत्र नही करना पड़ेगा।

गाँव में किसान उत्पादक संगठन कोई भी कार्यक्रम, कार्यक्रमों के आधारित जो आवश्यकतायें तय करनी हो उनके अन्दर क्या बल है कमियॉ है, संभावनायें तथा खतरे है को तय करने हेतु SWOT करने में ये सहभागी विधा काम आयेगी।

S --- बल	---(Strenght)	W	--- कमियां	--(Weaknesses)
O -- संभावनायें	-- (Opportunities)	T	-- खतरे	--(Threats)